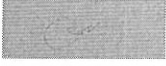


राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अन्तर्गत शास्त्री+आचार्य (पञ्चवर्षीय) पाठ्यक्रम के लिए
निर्मित पाठ्यक्रम की रूप रेखा

कक्षा	सत्रार्द्धम्	पत्रकूटाङ्कः	पाठ्यक्रमस्य विवरणम्	क्रेडिट क्रमः	क्रेडिट संख्या	होरा
शास्त्रि- प्रथमवर्षम्	द्वितीयम्	GE 2	<p>अलङ्काराः (जयदेवमतानुसारेण)</p> <p>1. अलङ्कारसामान्यपरिचयः</p> <ul style="list-style-type: none"> • काव्ये अलङ्काराणां स्थानम् • जयदेवस्य परिचयः • अलङ्कारलक्षणम् • शब्दालङ्कारः अर्थालङ्कारश्च <p>2. अलङ्काराः -१</p> <ul style="list-style-type: none"> • अनुप्रासः, अनुप्रासभेदाः • यमकम्, उपमा, रूपकम्, परिणामः • उल्लेखः, अपहृतिः, उत्प्रेक्षा, • अनुमानम्, भ्रान्तिमान्, सन्देहः <p>3. अलङ्काराः -२</p> <ul style="list-style-type: none"> • काव्यलिङ्गः, तुल्ययोगिता, परिकरः, • दीपकम् प्रतिवस्तूपमा, दृष्टान्तः, • निदर्शना, व्यतिरेकः, समासोक्तिः, • भङ्गश्लेषः, अप्रस्तुतप्रशंसा, अर्थान्तरन्यासः <p>4. अलङ्काराः -३</p> <ul style="list-style-type: none"> • व्याजस्तुतिः, विरोधः, विभावना • विशेषोक्तिः, सारः, परिवृत्तिः • परिसङ्ख्या, समुच्चयः, तद्रुणः • व्याजोक्तिः, वक्रोक्तिः, स्वभावोक्तिः <p>उद्देश्यम्- जयदेवेन निरूपितानाम् अलङ्काराणां परिचयप्रदानम् । परिणामः-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1) छात्राः निर्दिष्टानाम् अलङ्काराणां परिचयं प्राप्स्यन्ति। 2) विभिन्नप्रतियोगितासु निर्दिष्टपाठ्यक्रमे एतान् अलङ्कारान् प्रत्यभिज्ञास्यन्ति। 3) काव्येषु एतान् अलङ्कारान् समीक्षितुं शक्यन्ति। <p>पाठ्यग्रन्थः - चन्द्रालोकः (पञ्चममयूखः) व्या. डा. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, के. 37/117 गोपालमन्दिर लेन पो.बा.नं. 1129, वाराणसी- 2016 सहायकग्रन्थः - 1. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त, डा. राजवंश सहाय हीरा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 1967 2. साहित्यदर्पणः विश्वनाथः, आचार्यलोकमण्डिहालः, चौखम्बासुरभारत, प्रकाशनम् -, वाराणसी, 2008</p>	1 1 1 1	4	64+16 16+4 16+4 16+4

(Handwritten Signature)

		<p>3.अलंकारकोशः डा.ब्रह्ममित्रअवस्थी, इन्दुप्रकाशनम्, दिल्ली, 1989 परीक्षामूल्याङ्कनपद्धतिः- .1 वैकल्पिकप्रश्नोत्तराणि एकेन वाक्येन .2 , .3 उत्तरलेखनमूलधूत्तरीयप्रश्नाः दीर्घोत्तरप्रश्नाः। .4 , आन्तरिकमूल्याङ्कनम्- अधोलिखितेषु कानिचित् चत्वारि आश्रित्य मूल्याङ्कनं विधेयम्, प्रदत्तकार्यलेखनम्.2 , कार्यशालासु भागग्रहणम्.1 - .5 , लघुनाटकाभिनयः.4 , पाठ्यविषयाधारेण विडियोनिर्माणम्.3 वाग्बर्धनीसभायाम्.6 , शास्त्रसंजीवनीकार्यक्रमे भागग्रहणम् .अधीतिविषयप्रस्तुतिः।</p>			
--	--	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--	--	--



1/2/2021